जहाँ बनते सारे काम वो चुरू धाम

तर्ज - जब कोई बात बिगड़ जाये...

जहाँ बाबोसा का बसेरा
वहाँ सुखों का होता सवेरा
इनकी शरण मे आते ही
मिट जाता गम का अंधेरा
जो खोया है , वो पायेगा , जिन्दगी में तू द्वार तो आ,
जहाँ बैठा नाथ मेरा वो चुरूधाम

चमत्कार जो करते हरपल वो तांती भभूति,
जल श्रद्धा से जिसने भी लगाई मिलता फल,
ना कोई है , ना कोई था , दिलबर तेरे सिवा यहाँ
करु नमन में बारम्बार ....वो चुरूधाम

जिस द्वार से मिलता बल
वहाँ हर मुश्किल होती हल
जहाँ होगा काम तेरा
वो चुरूधाम -

□□□□

✍🏻 रचनाकार ✍🏻
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤🏻 दिलबर ❤🏻
नागदा जक्शन म.प्र .

Source: https://www.bharattemples.com/yaha-bante-saare-kaam-vo-churo-dham/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw